कक्षा ५

अविकारी शब्द

परिभाषा - वे शब्द जिनमें संज्ञा, सर्वनाम,लिंग,वचन,काल आदि के कारण कोई विकार या परिवर्तन नहीं होता, अविकारी शब्द कहलाते हैं |

उदहारण -

- हिरन तेज़ भागता है |
- प्रथम और मनु दोस्त हैं |
- शरबत के अंदर बर्फ है |
- वाह ! मज़ा आ गया |

अविकारी शब्द के भेद :

अविकारी शब्द चार प्रकार के होते है -

1. क्रिया विशेषण
2. समुच्चयबोधक
3. संबंधबोधक
4. विस्मयादिबोधक

संबंधबोधक अव्यय

जो शब्द संज्ञा या सर्वनाम शब्दों का संबंध वाक्य के अन्य शब्दों से बताते हैं, उन्हें संबंधबोधक अव्यय कहते हैं |

उदाहरण -

1. कमरे के अंदर अँधेरा हैं |
2. पेड़ के ऊपर पतंग लटकी है |
3. कप्तान के पीछे सेना चल रही है |
4. बच्चे पिकनिक जाने के लिए तैयार हैं |

समुच्चयबोधक अव्यय

दो शब्दों , वाक्यांशों या वाक्यों को जोड़ने वाले शब्दों को समुच्चयबोधक या योजक (जोड़ने वाला) कहते हैं |

उदहारण-

मोहन और सोहन दोनों आगरा के निवासी हैं |

सीमा ने मेहनत की लेकिन परीक्षा में असफल रही |

रोहन या सोहन कोई एक मैच जीतेगा |

विस्मयादिबोधक अव्यय

जिन शब्दों से ख़ुशी, दुःख, शोक, आश्चर्य, दर आदि बह्वों का पता चलता है, उन्हें विस्मयादिबोधक अव्यय कहते हैं |

उदहारण -

काश ! मैं भी बाहर घूमने जा सकता |

शाबाश ! मुझे तुम पर गर्व है |

बाप रे ! इतना बड़ा साँप कैसे आया ?

ओह ! तुमने तो मुझे डरा ही दिया |